सफलता की कहानी

किसान का नाम	– प्रशान्त हाँसदा
पिता का नाम	– बिष्टु हाँसदा
ग्राम	– लावा टोला– हाथीखेदा
प्रखण्ड	– पटमदा
जिला	– पूर्वी सिंहभूम

प्रशान्त हाँसदा मैट्रिक तक की पढ़ाई करने के बाद खेती को ही अपना जीविकोपार्जन का आधार मानकर पूरजोर तरीके से कृषि कार्य में लग गये। तीन एकड़ जमीन पर सब्जी की खेती कर रहे है टमाटर, खीरा, लौकी, बैगन, मुली आदि की उन्नत तकनीक से खेती कर रहे है। प्रशान्त सब्जी के अलावे पिछले मौसम में धान, गेहुं, सरसों आदि का खेती कर अच्छा मुनाफा कमाये। पिछले 5 वर्षो से आत्मा कृषि विभाग से जुड़े है। अपने गांव के अन्य किसानों को भी कृषि विभाग द्वारा चलाए जाने वाले योजनाओं के बारे में चर्चा करते एवं प्रशिक्षण, परिभ्रमण, किसान गोष्ठी आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते है।

कृषि की नई तकनीक की जानकारी एवं प्रोत्साहन मिलने से ये अब बड़े पैमाने पर व्यवासयिक खेती का मन बनाये हैं। अपने खेतों में 3–4 मजदुरों को काम पर रखे है। बाजार की नजदीकियाँ एवं अवगामन की सुविधा के कारण सब्जी की बिक्री जमशेदपुर के बाजारों में करते है।

प्रशान्त हाँसदा के परिवार में सात सदस्य है। प्रशान्त को तीन बच्चे हैं, दो बेटा एक बेटी। तीनों बच्चो को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करा रहे है। परिवार के साथ मिलकर कृषि कार्य में लगे है। इनका सब्जी उत्पादन से सालाना एक लाख से अधिक आमदनी होता है जिससे इनका परिवार का भरण–पोषण अच्छे तरीके से हो रहा है।